such as audit at the accounts of Parties and the firms donating funds to political parties;

(b) if so, the details of the propo-, sal; and

(c) the action taken by Government thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW AND JUSTICE (SHRI H. R. BHARDWAJ): (a) and (b) Yes, Sir. But the reforms relating to audit of accounts of the parties and the definition of political parties were included in the proposal sent by the Election Commission earlier and the same had been included in the statement appended to the answer to starred Question No. **181** dated 17-11-1986. The new proposals forwarded by the Election Commission are set out in the statement appended *[See* Appendix CXLIII, Annexure No 20]

(c) These proposals along with the earlier proposals are proposed to be discussed with the political parties after which a decision will be taken.

टायरों के मूल्य

92. **श्री अजीत सिंह** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में टायरों की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है और यदि हां, तो गत तीन वर्षों में कब-कब कितनी-कितनी वृद्धि हुई ;

(ख) क्या यह सच है कि देश में हर महीने लगभग 2400 टन नायलॉन टायरों की खपत होती है ;

(ग) क्या टायर उत्पादन क्षमता और उनके आयात द्वारा देश में टायरों की मांग पूरी की जा सकती है ; यदि हां, तो मूल्यवृद्धि के क्या कारण हैं ; और

(घ) उनके मूल्यों को स्थिर रखने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रभावी कदम उठाये गए हैं ?

उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम्) : (क) से (घ) आटोमोटिव टायर मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा दी गई सूचना के अनुसार टायर के मूल्यों में पिछले 3 वर्षों के दौरान मार्च-अप्रैल, 1985 में 9.5 प्रतिशत, मई, 1986 में 5 प्रतिशत तथा जुलाई, 1987 में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है । एसोसिएशन के अनुसार मूल्य में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि होने के कारण की गई है ।

वर्ष 1986 में देश में आटोमोटिव टायर और ट्यूबों की अधिष्ठापित क्षमता 175.54 लाख थी । वर्ष 1986 में टायरों का उत्पादन 135 लाख था । वर्ष 1989-90 तक टायरों की कुल आवश्यकता का अनुमान 232.93 लाख लगाया गया है जिसके लिए 85 प्रतिशत क्षमता उपयोग के आधार पर लगभग 270 लाख की अधिष्ठापित क्षमता की आवश्यकता होगी । इसके मुकाबले में कुल अधिष्ठापित और अनुमोदित क्षमता 310 लाख की है । तथापि टायर उत्पादकों द्वारा उत्पादन संघ के गठन तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार को अपनाने के संबंध में शिकायतें मिली हैं जिसके परिणामस्वरूप बाजार शक्तियों को मनमाना व्यवहार करने की अनुमति नहीं दी जाती है । एकाधिकार अवरोधक व्यापारिक व्यवहार आयोग द्वारा इन शिकायतों की जांच की जा रही है ।

सरकार का विचार है कि नई क्षमता को प्रोत्साहन देने से आंतरिक बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकेगी और टायर उत्पादकों के कथित कदाचारों पर भी रोक लग सकेगी । आवश्यकता पड़ने पर सरकार टायरों के आयात सहित अन्य उपाय करने पर भी विचार करेगी ।

क्षतिग्रस्त रेगुलेटरों का बदला जाना

93. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक** : क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री 13 अप्रैल, 1987 को राज्य सभा में